भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 191

उत्तर देने की तारीख: 04.02.2019

तकनीकी शिक्षा

191. कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विभिन्न राज्यों में स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक नई महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार के पास बुंदेलखंड में स्थित तकनीकी संस्था में सुधार और गुणवत्ता उन्नयन हेतु कोई योजना है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सत्य पाल सिंह)

(क) से (घ): भारत सरकार ने 2660 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ 19 फोकस राज्यों (7 निम्न आय राज्य, 3 पहाड़ी राज्य,8 पूर्वोत्तर क्षेत्र राज्य और संघ राज्यक्षेत्र अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) में तकनीकी शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विश्व बैंक की सहायता से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-III) के तीसरे चरण का अनुमोदन किया है। यह कार्यक्रम अपैल 2017 में शुरू हुआ और इसकी कार्यान्वयन अवधि 3 वर्ष है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य चयनित इंजीनियरिंग शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता और समानता में वृद्धि करना और फोकस राज्यों में इंजीनियरिंग शिक्षा प्रणाली की दक्षता में सुधार

करना है। टीईक्यूआपी-III के तहत बुंदेलखंड से तीन सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त इंजीनियरिंग संस्थाओं का चयन किया गया है,जिनका ब्यौरा निम्नवत हैः-

i. इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी

ii. बुंदेलखंड इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, झांसी

iii. राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बांदा

******

भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 159

उत्तर देने की तारीख: 04.02.2019

तकनीकी शिक्षा संस्थाएं

159. श्री अधलराव पाटील शिवाजीरावः
श्री आनंदराव अडसुलः
डॉ श्रीकांत एकनाथ शिंदेः
श्री धर्मेन्द्र यादवः
श्री विनायक भाऊराव राऊतः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राज्यों में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं की गुणवत्ता सुधारने के मद्देनज़र विश्वविद्यालय के सहयोग से 2660 करोड़ रूपये की महत्वाकांक्षी योजना को स्वीकृति दी है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;
(ग) उक्त योजना के अन्तर्गत चयनित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं का ब्यौरा क्या है;
(घ) उक्त तकनीकी शिक्षा संस्थाओं के चयन हेतु क्या मानदंड निर्धारित किए गए हैं; और
(ङ) क्या उक्त योजना के अन्तर्गत कार्य शुरू हो चुका है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सत्य पाल सिंह)

(क) से (ड.): भारत सरकार ने 2660 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ 19 फोकस राज्यों (7 निम्न आय राज्य, 3 पहाड़ी राज्य, 8 पूर्वोत्तर क्षेत्र राज्य और संघ राज्यक्षेत्र अण्डमान और

निकोबार द्वीप समूह) में तकनीकी शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विश्व बैंक की सहायता से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-III) के तीसरे चरण का अनुमोदन किया है। यह कार्यक्रम अपैल 2017 में शुरू हुआ और इसकी कार्यान्वयन अवधि 3 वर्ष है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य चयनित इंजीनियरिंग शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता और समानता में वृद्धि करना और फोकस राज्यों में इंजीनियरिंग शिक्षा प्रणाली की दक्षता में सुधार करना है। टीईक्यूआईपी-III के उद्देश्य, मुख्य विशेषताएं, चयनित तकनीकी शिक्षा संस्थाएं, संस्थानों के चयन के मानदंड, योजना की वर्तमान स्थिति आदि का ब्यौरा http://mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/Details_regarding_scheme_TEQIP-III.pdf पर देखा जा सकता है।

******